Newspaper Clips
December 5, 2015

Navbharat Times ND 05/12/2015 P-10

IIT दिल्ली: इंडिया इंटरनैशनल साइंस फेस्टिवल शुरू

कमाल के इनोवेशन

Katyayani.Upreti@timesgroup.com

■ आईआईटी : आईआईटी दिल्ली में 'इंडिया इंटरनैशनल साइंस फेस्टिवल' शुरू हो चुका है। इस मेगा साइंस फेस्टिवल में देशभर से कॉलेज स्टूडेंट्स अपने 100 से ज्यादा मॉडल्स और स्कूल स्टूडेंट्स हजार मॉडल के साथ पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को इस फेस्ट का साइंस एक्सपो लॉन्च हुआ और कई स्टूडेंट्स भी यहां नजर आए। यहां वे स्टूडेंट्स भी पहुंचे, जो गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड के लिए जा रहे हैं। पहले दिन दिल्ली के स्कूलों के बच्चों ने इस फेस्ट को जमकर एंजॉय किया।

साइंस और टेक्नॉलजी और अर्थ साइंसेज मिनिस्ट्री की ओर से हो रहे इस फेस्ट के साइंस एक्सपो का उद्घाटन डॉ. हर्षवर्धन ने किया। विज्ञान भारती इस फेस्टिवल का को-पार्टनर है। शुक्रवार से ही साइंस फिल्म फेस्टिवल भी शुरू हुआ, जो खासतौर पर बच्चों के लिए ट्रीट था। मुनि इंटरनैशनल स्कूल, द्वारका के आठवीं के स्टूडेंट दिलशाद अली ने बताया, मिसाइल कैसे काम करती है, बुलेट प्रूफ टैंक, लेजर पिस्टल... किस तरह से हमारी आर्मी देश को सेफ करती है, यहां हमें दिखाया गया। मुझे बड़े होकर सॉफ्टवेयर सिस्टम आर्किटेक्ट बनना है और यहां मुझे इसके लिए बहुत से आइडिया मिले।

Surender Kumar

इस मेगा साइंस फेस्टिवल में दूर-दूर से स्टूडेंट्स अपने मॉडल्स के साथ पहुंचे हैं

सोलर कार से लेकर चार्जिंग साइकल तक

दो भाई सलीम और सैयद सज्जाद अहमद बैंगलुरु से एक महीने तक 6000 हजार किलोमीटर का लंबा सफर कर यहां अपनी अनोखी सोलर कार से पहुंचे हैं । इस कार की दिल्ली दीवानी बन गई है और लोग इसमें बैठकर जमकर सेल्फी खींच रहे हैं। सज्जाद कहते हैं, हम पूरा सफर मजे से सूरज की रोशनी की बदौलत करके आए हैं। जहां बारिश हुई, वहां हमने इसे बिजली से चार्ज कर लिया। रातभर चार्ज करके यह सौ किलोमीटर चलती है और इसका खर्चा आता है लगभग 12 रुपये। 300 किलो की कार की स्पीड है 30 किमी/घंटा, इसमें 6 बैटरी लगी है। हमने इसे पेटेंट भी करवा लिया है।

राजस्थान से एक कमाल की साइकल भी यहां पहुंची है, जिसे बीएससी स्टूडेंट सचिन ने बनाया है। आप इसमें पैडल मारकर हेल्थ का ख्याल तो रख ही सकते हैं और इस एनर्जी से मोबाइल भी चार्ज कर सकते हैं। इसके पहिए में लगे मैग्नेट और कॉपर के घूमने से एक घंटे में पांच लिटर पानी गर्म हो सकता है और ज्यादा पैडल मारेंगे तो चार्जिंग के लिए एनर्जी स्टोर भी हो जाएगी।

सचिन कहते हैं, इसने मॉस्को (रूस) और दुबई के इंटरनैशनल साइंस फेस्ट में गोल्ड मैडल भी जीता है। मगर दूरदराज के एरिया में रहने की वजह से हम इसे अभी पेटेंट नहीं करवा पाए।

जाने किचन में क्या है नकली

इसके अलावा, अपने घर में ही छिपी साइंस को जानने के यहां कई तरीके नजर आएंगे। वर्मीकम्पोस्ट या किचन में क्या नकली है यह जानने के आसान तरीके भी आप यहां सीख सकते हैं। आईआईटी दिल्ली के ऑफिशिएटिंग डायरेक्टर क्षितिज गुप्ता बताते हैं, फेस्ट 8 दिसंबर तक चलेगा। 7 को देशभर के यंग साइंटिस्ट और स्टूडेंट्स के मॉडल देखने का यहां मौका होगा। यहां कई नामी साइंटिस्ट पहुंच रहे हैं, जिनके साथ कई सेशन होंगे।

Hindu ND 5.12.2015 P-02

Five-day science fest begins at IIT

KRITIKA SHARMA SEBASTIAN

NEW DELHI: A five-day science festival kick-started at the Indian Institute of Technology, Delhi (IIT-D) on Friday with a mega 'Science Technology and Industrial Expo' showcasing innovative projects by students, experts and entrepreneurs.

Inaugurated by the Minister of Science and Technology, it is the first International Science Fair (IISF), which will go on till December 8.

Over 240 projects are being showcased at the expo. A project which garnered major attention was the solar-electric car made by 63-year-old Syed Sajjad Ahmed, who is a school dropout. The car is equipped with solar panels to generate electricity to run the car.

Mr. Ahmed came all the way from Bangalore to Delhi driving 3,000 km in 30 days in the car that he has designed.

> The event was inaugurated by the Minister of Science and Technology

"When I was in school, I used to look at pictures of scientists in textbooks and wanted to become one myself. I had to leave school at the age of 15 to start earning. But the fire to create something that would be of use to humanity kept burning within me," Mr. Ahmed said.

The IISF has been organised by the Ministries of Science and Technology and Earth Sciences in association with Vijnana Bharati, the largest science movement in the country. The Technology Information, Forecasting and Assessment Council is the nodal agency for the event.

Hindustan ND 05/12/2015 P-6

आईआईटी में भविष्य की तकनीक दिखेगी

नई दिल्ली | सुशील राघव

आईआईटी दिल्ली में शुक्रवार से पांच दिवसीय भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ-2015) की शुरुआत हुई। पहली बार बड़े स्तर पर आयोजित हो रहे इस महोत्सव में मेगा साइंस एंड टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्री एक्स्पो भी लगाया गया है।

इसमें सरकारी संस्थाओं से लेकर आम व्यक्ति के इनोवेशन और आविष्कारों को दिखाया गया है। एक्स्पो का उद्घाटन केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने की। इस महोत्सव में कोई भी बिना किसी शुल्क के आ सकता है।

12वीं में पढ़ाई छोड़ने वाले अहमद ने बनाई सौर कार : एक्स्पो में सबसे अधिक आकर्षक का केंद्र बेंगलुरु के सय्यद सज्जाद अहमद और उनकी बनाई सौर कार रही। 12वीं में पढ़ाई छोड़ने वाले अहमद एक्स्पो में भाग लेने के लिए इसी कार से बेंगलुरु से 3,000 किलोमीटर दूरी तय करके दिल्ली पहुंचे। उन्होंने 1 नवंबर को यात्रा शुरू की थी।

अहमद ने बताया कि उनकी कार में पांच सौर पैनल लगे हुए हैं और हर एक की क्षमता 100 वाट है। पांच पैनलों से छह बैटरी चार्ज होती हैं, जिससे इस कार को ऊर्जा मिलती है। कार की हर बैटरी की क्षमता 12 वोल्ट और 100 एम्पियर है।

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानने वाले अहमद ने बताया कि उनकी यह कार हर दिन 100 किलोमीटर चली है और सभी बाधाओं को पार करते हुए 30 दिन में राष्ट्रीय राजधानी पहुंची है। वह इस कार के जरिये ही वापस जाएंगे, लेकिन उनकी वापसी की यात्रा हरिद्वार शुरू होगी।

इसके बाद मुंबई और फिर अंत में बेंगलुरु पहुंचेंगे। 60 वर्ष से अधिक उम्र के अहमद ने बताया कि वह बचपन से ही कुछ न कुछ बनाते रहते थे। इसी क्रम में वर्ष 2002 में उन्होंने बिजली से चलने वाला दोपहिया वाहन बनाया था।

Dainik Jagran ND 05/12/2015 P-06

'विज्ञान को जनआंदोलन बनाने की जरूरत'

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटी जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों को देश के वैज्ञानिक समुदाय के सहयोग से ही पूरा किया जा सकता है। इन कार्यक्रमों को सफल स्टोरी में तब्दील करने के लिए शिक्षा व उद्योग जगत के बीच सृजनात्मक सहयोग की भी जरूरत है। यह बातें केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) में देश के सबसे बड़े विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं औद्योगिक एक्सपो का उद्घाटन करते हुए कहीं। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि देश आजादी के इतने साल बाद भी जिन समस्याओं एवं चुनौतियों का सामना कर रहा है, उनका समाधान करने के लिए विज्ञान को जनआंदोलन बनाने की जरूरत है। आज ऐसी अत्याधुनिक तकनीक विकसित करने की जरूरत है, जो आम लोगों के काम आएं और उनका जीवनस्तर सुधर सके। स्कूली

◆ आइआइटी में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं औद्योगिक एक्सपो शुरू

बच्चों में शुरू से ही वैज्ञानिक चेतना को बढ़ाने की जरूरत है। विज्ञान, उद्योग तथा और शिक्षा जगत मिलकर काम करें तो भुखमरी, बिजली संकट, गंदगी तथा रोजगार की कमी जैसी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

एक्सपो का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) व वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आइआइएसएफ-2015) के तहत किया जा रहा है। यह देश में सबसे बड़े विज्ञान आंदोलन 'विजनान भारती' तथा सूचना

आइआइटी में आयोजित विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं औद्योगिक एक्सपो का अवलोकन करते केंद्रीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन। जागरण

प्रौद्योगिकी, पूर्वानुमान और आकलन परिषद (टीआइएफएसी) के सहयोग से हो रहा है। एक्सपो का मकसद अनुसंधान और औद्योगिक क्षेत्रों को अपने कार्यों और उपलब्धियों का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराना और उसे सीधे जनता तक पहुंचाना है। एक्सपो में 240 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं।

Navodaya Times ND 05/12/2015 P-7

आईआईटी में देखिए विज्ञान के कमाल

मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने किया विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो का उद्घाटन

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर (ब्यूरो): मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटी जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों को सफलता में तब्दील करने के लिए शैक्षिक एवं उद्योग जगत के बीच सृजनात्मक सहयोग की जरूरत है। यह बात केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने शुक्रवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी) में आयोजित देश के अब तक के सबसे बड़े विज्ञान एवं औद्योगिक एक्सपो का उद्घाटन करते हुए कही। डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि आज भुखमरी, बिजली संकट, गंदगी और रोजगार की कमी जैसी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है अगर विज्ञान, उद्योग एवं शैक्षिक जगत मिलकर काम करें।

अनेक रोचक एवं जनोपयोगी व नवीन उत्पादों का प्रदर्शन

एक्सपो में अनेक रोचक, जनोपयोगी तथा नवीन उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों को दुनिया में पहली बार प्रदर्शित किया जा रहा है। इनमें कंफोकल माइक्रोस्कोप (सीएसआईआर), जम्मू-कश्मीर में औषधीय एवं सुगंधित पौधों के बारे में अनुसंधान कार्य, स्वदेशी दंत प्रत्यारोपण, बेकार प्लास्टिक को ऑटोमोटिव इंधन में बदलने की तकनीकि और कम प्रदूषण पैदा करने वाले उर्जा सक्षम ब्रास मेटल फर्नेस शामिल हैं।

विज्ञान महोत्सव आज से

डॉ हर्षवर्धन शनिवार को भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) के उद्घाटन सत्र का उद्घाटन करेंगे। यह एक्सपो 8 दिसम्बर तक सुबह 10:30 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा।

बच्चों को समझाया चाकू से लोटा उठाने का जादू

मेले में जादूगर एक चाकू लोटे में डालता है। कई बार लोटे में चाकू देकर निकालता है और बाद में लोटा चाकू से चिपक कर ऊपर उठ जाता है। जादूगर चाकू से लोटा चिपकाने की बात कहता है और बच्चे तालियां बजाते हुए इसे जादू बताते है। मगर यह कोई जादू नहीं साइंस है। लोटे में चावल भरे होते हैं, जिसमें बार-बार चाकू डालने पर लोटे के अंदर वैक्यूम बन जाती है। जिससे चाकू के साथ लोटा ऊपर आ जाता है। यह कोई जादू नही है, बल्कि विज्ञान है। बच्चो ने लोटे को चाकू के साथ उठते हुए विज्ञान को समझा।

खुद बनाई सोलर कार, किया 3000 किमी का सफर

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानने वाले सजाद अहमद एक्सपो में अपने आविष्कार 'सोलर इलैक्ट्रिक कार' का प्रदर्शन करते हुए काफी उत्साहित नजर आए। एक्सपो में हिस्सा लेने के लिए वह बेंगलुरू से दिल्ली तक 3000 किमी तक का सफर अपनी इसी कार में पूरा कर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे हैं। यह यात्रा काफी कठिन थी जिसके दौरान उन्होंने विंध्य पर्वत श्रृंखला भी पार की। इस यात्रा में उन्हें 30 दिन लगे। सोलर इलैक्ट्रिकल कार में पांच सोलर पैनल लगे हुए हैं।

मिनी राडार सिस्टम से समझाया कार्य

एक्सपो में राडार कैसे काम करता है। कैसे वह तरंगों को पकड़ता है और कैसे किसी दूसरे यान के आने की जानकारी मिलती है। कैसे राडार के सहारे विमानों को संदेश भेजे जाते है। यह सब बताने के लिए एक्सपो में मिनी राडार का प्रदर्शन किया गया है। मिनी राडार बड़े राडार के मुकाबले काफी छोटा है और इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता है। जबकि बड़े राडार एक जगह पर ही स्थापित होते है और आकार में भी काफी बड़े होते है। ऐसे स्थान जहां बड़े राडार स्थापित नहीं है, वहां यह राडार काफी उपयोगी साबित होते हैं।

बंदूक को प्रभावशाली बनाने वाले लैंस

फोटो: निपुण चान्ना

चाहे कोई भी बंदूक हो मगर लैंस से उनकी क्षमता को प्रभावशाली बनाने में सक्षम है। ऐसे लैंस यहां डीआरडीओ की प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए। इन लैंस में दूर की चीज को पास देखने। अंधेरे में देखने वाले लैंस विद नांइट विजन के साथ ही कई अन्य तरह के लैंस शामिल है। धुंध व कोहरे में देखने की क्षमता रखने वाले लैंस। यह लैंस ऐसे है, जो किसी भी बंदूक पर लगाने के बाद बंदूक को और भी प्रभावी बनाने में सक्षम है।

Times Of India ND 05/12/2015 P-28

Panel of IIT experts to look into VW case

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The road transport ministry will set up a committee of experts from four IITs to look into Volkswagen's emission case.

"We will be forming a committee of IIT experts in the next couple of days. The committee will be tasked to analyze and understand the VW issue and submit the findings to the ministry. We don't want to take a decision in haste," road transport minister Nitin Gadkari said.

Gadkari said the panel of experts on vehicle emission issues will submit its report within a month or two. "Any decision will be taken after that," he added. Sources said the ministry will hold a meeting with the experts next week.

Earlier, heavy industries minister Anant Geete had said that they have referred the case to Gadkari's ministry and it's up to the transport ministry to take a call on penalty and ban on sale of VW's diesel vehicles.

On Friday, Gadkari also said that his ministry will soon come out with an integrated policy to scrap commercial vehicles that are over 10-years old to check rising pollution, though there is no immediate plan to ban trucks and buses above 15 years.

Deccan Herald ND
05/12/2015 P-13

Penalty decision after IIT panel view: Gadkari on VW case

NEW DELHI, DHNS: Union Transport Minister Nitin Gadkari on Friday said the government will soon set up a committee of experts from IIT to look into Volkswagen's emission-test cheating case before deciding on any penalty on the German auto major.

Based on the panel report, the government will take decision on action to be taken against the company, the Minister told reporters here.

On Monday, Volkswagen group had announced the recall of 3,23,700 vehicles sold in India between 2008 and 2015 across its three brands — Audi, Sokda and Volkswagen — after a government-ordered probe found the company violated emission norms in India.

Union Heavy Industries Minister Anant Geete had said that tests by ARAI found that Volkswagen violated emission norms in India to the extent of eight to nine times of the current levels.

Navbharat Times ND 05/12/2015 P-10

IIT प्लेसमेंट में 3 दिन में मिले 350 जॉब

Surender Kumar

■ प्रस, नई दिल्ली

आईआईटी में प्लेसमेंट ड्राइव पिछले साल से बेहतर चल रही है। तीन दिन में 350 स्टूडेंट्स का प्लेसमेंट हुआ है, और चौथे दिन 38 कंपनियों के बीच स्टूडेंट्स इंटरव्यू देते नजर आए। सुबह 8 बजे के बाद से शुक्रवार को इंटरव्यू शुरू हुए। आईआईटी दिल्ली के ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज प्रो. शशि माथुर कहते हैं, पहले दिन 40 कंपनियां, दूसरे, तीसरे और चौथे दिन 38 अलग अलग कंपनियां कैंपस पहुंचीं। इनमें कई इंटरैशनल कंपनियां भी हैं। प्रो. माथुर कहते हैं कि इस बार पिछले बार से अच्छा रिजल्ट है। अब तक का रिस्पॉन्स देखें, तो ऐवरेज पैकेज बढ़ रहा है।

आईआईटी में प्लेसमेंट कॉमन विंडो के जरिए होता है, जिसमें सभी डिपार्टमेंट इसमें शामिल हैं। फाइनेंस, बैंक, एनलिटिक्स, आईटी, कंप्यूटर साइंस, सिविल सभी ट्रेड के स्टूडेंट्स इस ड्राइव में हिस्सा ले रहे हैं। आईआईटी स्टूडेंट वॉलंटियर शुभम बताते हैं, अब तक देखने से लग रहा है कि इस बार 20 से 30 लाख के पैकेज की तादाद बढ़ी है। 60 लाख रुपये सालाना तक के कुछ पैकेज भी सुनने को मिले हैं। साथ ही, कई स्टूडेंट्स को चार से पांच ऑफर भी मिले हैं।

onomic Times ND
/12/2015 P-04

IA IS A PRIORITY

t IIT Delhi, ocal Jobs core Over igh Salary

ur students have nixed crore overseas offers

Prachi.Verma@timesgroup.com

Delhi: The Make in India story ns to be working well at the Indian itute of Technology (IIT), Delhi, placement season. Four students spurned overseas offers that ld have paid them more than ₹1 e annually for local jobs in the core ineering space at a much lower sala- said people associated with the ement cell. That's out of a total t international offers in the crore- range, they said.

hese are the international compa- that come every year to the IITs for ements," said one of those cited ve, without elaborating. The over- companies that seek recruits ev- ery year at the institute include Google, Visa, Oracle and Microsoft.

The four who have cho- sen domestic employ- ment will get a fifth of what overseas compa- nies were offering, said one person, marking a radical departure from the usual criterion for job selection—salary. Con- ing, finance, technology and ecom- ce companies generally comprise ority that come to campus on Day 1. at mix has changed at IIT Delhi the Narendra Modi government ning institutes, academia and in- try to contribute to Make in India paign, which seeks to turn India in- hub for manufacturing to generate loyment and boost growth.

Bombay also went out of its way to more Day 1 slots to core engineer- companies than last year. This ef- seems to have paid off as about 60 of offers came from core companies pared with 35 out of 174 last year, rding to a person at the IIT Bombay ement cell. IITs in Guwahati and rkee may do the same next year. "We internally evaluating to let more companies take early slots," said a son at IIT Guwahati. "Most IITs rec- ise the need to contribute to Make in a campaign," said IIT Madras place- t advisor Babu Vishwathan.

adras planned ove up cos by ral days

ET VIEW

on't Pay Peanuts o Engineers

icking a job of ones choice is fine. owever, to expect graduates om premier institutions to join e engineering sector by the roves is naive. India's manu- acturing companies should start aying competitive salaries to at- act and retain the best talent. hese companies have no choice ut to up the game in manufactur- g and invest hugely in research nd development. Raising the bar manufacturing will enhance eir ability to offer remunerative alaries to highly skilled workers. olicies must be tailored to accel- rate innovation as well. This will nsure the success of Make in In- ia and motivate engineers too.

Hindustan Times ND 05/12/2015 P-1

Smriti says she will take ministry from compulsion to consensus

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Human resource development minister Smriti Irani said on Friday the legacy of her tenure would be ensuring her office is guided by political consensus and not partisan compulsions or bickering, an apparent response to criticism that her policies were inspired by right-wing ideology.

Speaking on the opening day of the Hindustan Times Leadership Summit, Irani said the new education policy being drafted by her ministry would not only reflect the will of the people but also the vision on which a new future could be built.

"For too long this office was known for political compulsions, now this office will be known for political consensus and resonance of the will of the people," Irani said, a veiled dig at the previous UPA government.

"We have empowered 2.5 lakh village councils and told them to sit together and tell us what kind of education you seek for your children."

CONTINUED ON PAGE 9

Smriti Irani says she will take ministry from compulsion to consensus

The minister said 1.4 lakh villages have already given their views in writing that expressed their desire for education, which she described as unprecedented.

Irani said along with the issue of enrolment of children and keeping them in schools, the quality of education was a big challenge.

Listing out the schemes of her ministry addressing these challenges, the minister said the e-pathshala initiative was one such scheme that ensured students had free access to learning material, including NCERT textbooks from classes 1 to 12.

Shala Darpan, another initiative, under which parents are sent regular SMSes on their children's progress, she said, not only helps parents keep a tab on their children but also informs them if a teacher is absent from the class.

She also batted for government schools, saying institutions such as Kendriya Vidyalayas and Jawahar Navodaya Vidyalayas were outperforming private schools.

For ensuring quality teachers in schools she said the Madan Mohan Malviya National Mission on teacher and teaching launched last year would train teachers and help build their capacity.

Answering a question from a member of the audience who asked how she would ensure the establishment of government schools in remote corners, the minister said the fact that her government was able to build over four lakh toilets in every school in one year showed government's resolve.

The minister said the Prime Minister's targets seemed challenging but were doable, referring to Modi's announcement from the ramparts of the Red Fort in his maiden Independence Day speech — that in one year every school would have separate toilets for girls and boys.

Touching upon issue of global ranking of Indian institutions that fare poorly, the minister said global ranking agencies did not take into account research in Indian languages.

"To address this problem we have launched the National Ranking Framework under which Indian universities will be ranked on different parameters," she said.

Amar Ujala ND 05/12/2015 P-06

जेईई मेंस में रैंकिंग के लिए 15 जून तक रिजल्ट जरूरी

सीबीएसई की 15 जून के बाद रिजल्ट पर जेईई मेंस में नहीं बैठने की सलाह

रश्मि शर्मा

नई दिल्ली। जेईई मेंस से आईआईटी व एनआईटी में दाखिला लेने के इच्छुक उम्मीदवारों का 12वीं का रिजल्ट यदि 15 जून के बाद जारी होता है, तो वे जेईई मेंस की ऑल इंडिया रैंकिंग मिलने से वंचित हो सकते हैं। दरअसल, सीबीएसई ने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि यदि किसी छात्र को अपने बोर्ड का रिजल्ट 15 जून के बाद आने की उम्मीद हो, तो ऐसे उम्मीदवार जेईई मेंस में ना बैठें। बोर्ड ने साफ कर दिया कि अभ्यर्थी यदि जेईई मेंस परीक्षा में बैठ भी जाता है और 15 जून तक 12वीं का रिजल्ट उपलब्ध नहीं हो पाता है, तो उसे ऑल इंडिया रैंकिंग जारी नहीं की जाएगी।

सीबीएसई की ओर से देशभर में जेईई मेंस का आयोजन किया जाता है। बीते साल सीबीएसई ने 30 जून को जेईई मेंस का परिणाम जारी कर दिया था, जबकि कुछ बोर्ड ने उसके बाद जुलाई तक अपने 12वीं के रिजल्ट अपडेट किए। इस कारण से न केवल सीबीएसई को ऑल इंडिया रैंकिंग जारी करने में देरी हुई, बल्कि आईआईटी व एनआईआईटी की दाखिला प्रक्रिया पर भी इसका असर पड़ा था।

- बीते साल ऑल इंडिया रैंक जारी करने में हुई थी देरी, जिसे देखते हुए लिया निर्णय
- पेन-पेपर परीक्षा 3 अप्रैल और ऑनलाइन परीक्षा 9 व 10 अप्रैल 2016 को होगी

ऐसे में सीबीएसई ने बीते साल से सबक लेते हुए इस बार आवेदनकर्ताओं को पहले ही साफ कर दिया है कि यदि किसी उम्मीदवार को अपने बोर्ड का परीक्षा परिणाम 15 जून के बाद घोषित किए जाने की उम्मीद है, तो वह जेईई मेन्स के लिए प्रयास न करे। वहीं यदि किसी उम्मीदवार का 12वीं का परीक्षा परिणाम 15 जून तक उपलब्ध नहीं होता है, तो ऐसे उम्मीदवार को जेईई मेंस की ऑल इंडिया रैंकिंग का आवंटन करने के लिए विचार नहीं किया जाएगा। मालूम हो कि जेईई मेंस पेन-पेपर परीक्षा का आयोजन तीन अप्रैल 2016 व ऑनलाइन जेईई मेंस परीक्षा का आयोजन 9 व 10 अप्रैल 2016 को होना है। परिणाम 27 अप्रैल को घोषित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि रिजल्ट में उम्मीदवारों को रैंक नहीं दी जाती है। रैंक जारी करने के लिए 60 फीसदी अंक प्रवेश परीक्षा के जबकि 40 फीसदी अंक 12वीं की परीक्षा के होते हैं। ऐसे में 12वीं का रिजल्ट जारी होने के बाद ही उम्मीदवारों को ऑल इंडिया रैंकिंग जारी होती, जिसकेआधार पर उनका दाखिला आईआईटी व एनआईआईटी में होता है।

Hindustan Times ND 05/12/2015 P-11

IIT aspirant hangs herself in Kota; second suicide in as many days

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

KOTA: A coaching student preparing for the IIT-JEE examination committed suicide inKota on Friday, hanging herself at a relative's house.

The girl, who has been identified as 17-year-old Satakshi Gupta, was from Bihar, though her father Kamlesh Kumar works in Ghaziabad. She had been living at her aunt's house in Instrumentation Limited (IL) Colony. Her aunt had expired in August this year.

Rajesh Meshram, station house officer of Jawahar Nagar Police Station, said that the police received information of the incident, following which they rushed to the spot and recovered the dead body which was found hanging in the room.

"The student was living with her aunt in Kota from last 5-6 years for her studies and was preparing for IIT-JEE Examination", Meshram said. He also said that no suicide note was found, but gave stress due to studies as a possible reason.

Satakshi's death is the second suicide of a student in as many days to take place inKota. On Thursday, 19-year-old Varun Jeengar of Ludhiana had hanged himself in his paying guest accommodation in the Adarsh Nagar area of the City.

According to data released by National Crime Records Bureau, Kota has registered 100 suicide cases in 2014 and 45 of them were coaching students.

Since October, at least eight students have killed themselves in the city.

More than 1,00,000 teenagers head to coaching institutes in Kota every year with dreams of cracking the highly competitive entrance exams. The rigorous study schedule, high-pressure environment, competitive exams and stress of living pushes many students to commit suicide.

"Parents on average spend around ₹2.50 lakh to ₹3 lakh every year on coaching. When their children find themselves lagging, they feel guilty and can go into depression," police officer Bhagwat Singh Hingad said.

The Kota district administration had issued guidelines for the coaching Institutes and hostels on November 4 in an attempt to avert suicide by students. The suggestions included carrying out student counselling, weekly breaks from classes, meditation, yoga and recreation activities.

STATISTICS ON SUICIDE

- Kota has about 40 big coaching centres with a thriving ₹2,000 crore industry
- More than 100,000 teens come to Kota every year, hoping to gain entry to premier engineering and medical colleges
- On an average, parents spend around ₹2.50 lakh to ₹3 lakh every year on coaching
- However, only 25% students make it to the top schools.
- According to National Crime Records Bureau, Kota registered 100 suicide cases in 2014 and 45 of them were coaching students
- Since October, at least eight students have killed themselves in the city.